

Serial No. 95

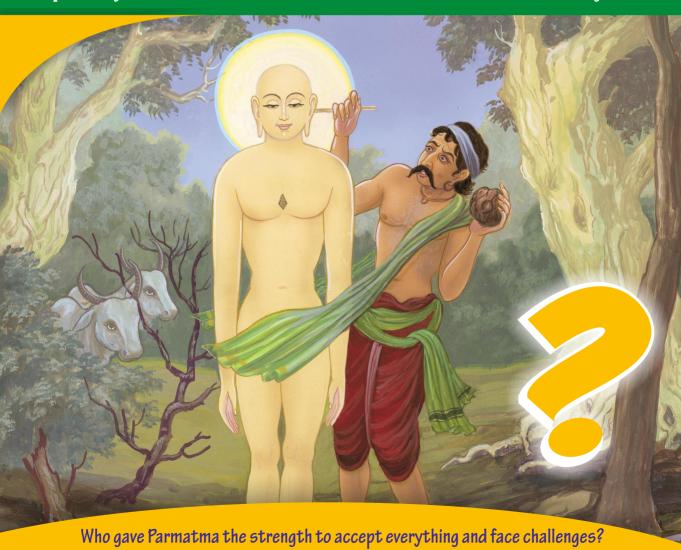


The knowledge of 32 Aagams in your phone

To subscribe please 💿 Whats app - Jai Jinendra on +91 8104461579



Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb



Sweekar Bhaav: The Strength of Acceptance

DID YOU KNOW

How and why was Paramatma able to leave His palace, renounce all comforts, luxuries, and embrace the hardships of the jungle?

He endured intense penance, faced attacks and obstacles from animals and celestial beings, meditated deeply, and patiently overcame all adversities—with a heartfull of forgiveness.

All of this was possible because He remained in Sweekar Bhaav.

परमातमा अपने महल को छोड़कर, सभी सुख-सुविधाओं और वैभव का त्याग करके जंगल के कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए कैसे और क्यों सक्षम हुए?

उन्होंने कठोर तपस्या की, पशु और देवों द्वारा उत्पन्न बाधाओं और आक्रमणों को सहन किया, गहरी साधना की, और धैर्यपूर्वक सभी कठिनाइयों को पार किया - एक क्षमा से भरे हृदय के साथ।

यह सब संभव हुआ क्योंकि वे स्वीकार भाव में स्थिर रहे।





Didi : Naman, we unknowingly often disturbed others.

Naman: Do we, Didi? But how?

Didi : We disturb our self and others, all because we lack awareness and

presence of mind. But what if we become aware at every moment?

How wonderful would that be...

Naman: Didi, so what should we do to cultivate awareness?

Didi : To bring awareness, we must develop Sweekar Bhaav. We may

not be able to take Panch Mahavrat-Diksha, But come, let's take

Sweekar vrat!

दीदी: तमत, हम अतजाते में अकसर दूसरों को परेशात कर देते हैं।

तमत : क्या सच में? लेकित कैसे?

दीदी : हम खुद को और दुसरों को परेशांत कर देते हैं। सिर्फ इसलिए क्योंकि हमें जागरूकता

की कमी होती है। लेकित अगर हम हर पल जागरूत रहें तो? वह कितता अच्छा होगा...

तमत : तो जागरूत रहते के लिए क्या करता चाहिए?

दीदी : जागरूत रहते के लिए हमें स्वीकार भाव अपनाना चाहिए। आज हम पंच महाव्रत-दीक्षा

तो तहीं ले सकते, लेकित स्वीकार व्रत ग्रहण करते का प्रयत्त अवश्य कर सक्ते हैं।

Naman: What is Sweekar vrat?

Didi : Sweekar means acceptance! Kids in what ways can resistance occur?

तमत : स्वीकार व्रत क्या है?

दीदी : स्वीकार व्रत का अर्थ है स्वीकृति, चानी सहजता से हर परिस्थिति को अपनाना। बच्चों

प्रतिकार कित-कित तरीकों से हो सकता है?





Disadvantages of not having Sweekar Bhaav

Anger & Resentment Creates negativity and emotional turmoil.



Poor Relationships
Causes conflicts and
misunderstandings.



Unhappiness & Stress
Leads to frustration,
sadness, and mental burden.



Impatience & Weakness Reduces emotional strength and tolerance.



Karma Bandh

Accumulates negative karmas, leading to future obstacles.



Let's learn and grow together! चलो मिलकर सीरवें और आगे बढें!

Let's Reflect on Our Sweekar Bhaav!

Dear kids, let's think about some moments from the past when we faced challenges. Were we in Sweekar Bhaav (a state of acceptance) or not?

- $\ensuremath{\square}$ 1. Recall an incident where you felt upset or frustrated.
- $\ensuremath{\square}$ 3. The next few pages contain examples that will help you recall certain incidents.
- \square 4. Tick on the correct box as you reacted in that particular situation.
- $\ensuremath{\square}$ 5. At the end, let's repent for the times we did not have Sweekar Bhaav.

Pat ourselves on the back for the moments we handled well!

आइए अपने स्वीकृति भाव (Sweekar Bhaav) पर चिंतन करें!

प्यारे बच्चों, चलो कुछ ऐसे पलों को याद करें जब हमते किसी चुतौती का सामता किया। क्या हम स्वीकृति भाव में थे या नहीं?

- 🗹 १. कोई ऐसा अनुभव चाद करें जब आप उदास चा परेशान हुए हों।
- 🗹 २. तय करें कि क्या आपने स्थिति को शांतिपूर्वक स्वीकार किया या नकारात्मक प्रतिक्रिया दी।
- ☑ ३. आते वाले कुछ पृष्ठों, ऐसे उदाहरण दिए गए हैं जो आपको कुछ घटताओं को चाद करते में मदद
 करेंगे।
- 🗹 ४. सही बॉक्स पर टिक करें जैसा कि आपने उस विशेष स्थिति में प्रतिक्रिया दी थी।
- ☑ ५. अंत में, उत क्षणों के लिए पश्चाताप करें जब हमते स्वीकृति भाव तहीं रखा।

उत पलों के लिए अपती पीठ थपथपाएं जब हमते अच्छी तरह से संभाला!



Tick the correct option that you followed! from the next pages







Without Sweekar Bhaav: When mom gave me vegetables for lunch, I refused to eat

and threw a tantrum, making her upset.

बिजा स्वीकार भाव के: जब माँ जे मुझे सब्जियां खाजे के लिए दी, तो मैंजे मजा कर दिया और

जिद करते लगा, जिससे माँ दुरवी हो गई।

With Sweekar Bhaav: I accepted the served food happily and mom was pleased.

स्वीकार भाव के साथ: मैंते परोसा गया भोजत रवुशी-रवुशी स्वीकार किया और माँ रवुश हुई।

I repent for my Asweekar Bhaav and will try to accept things more easily.





Without Sweekar Bhaav: When my friend took my toy, I snatched it back angrily and

started fighting.

बिजा स्वीकार भाव के: जब मेरे दोस्त जे मेरा रिवलौजा लिया, तो मेंजे गुस्से में छीज लिया और

लड़ाई कर ली।

With Sweekar Bhaav: I shared my toys calmly with my friend, we both played

happily together.

स्वीकार भाव के साथ: मैंजे अपने रिवलौने शांतिपूर्वक अपने दोस्त को दिए, और हम दोनों

खुशी-खुशी साथ खेले।





Without Sweekar Bhaav: When dad asked me to turn off the T.V., I ignored and kept

watching, making him angry.

बिजा स्वीकार भाव के : जब पापा जे T.V.,बंद करने के लिए कहा, तो मैंने उनकी बात अनस्नी कर

दी, जिससे वे ताराज हो गए।

With Sweekar Bhaav : I had listened immediately, dad was happy, and I watched it

later.

स्वीकार भाव के साथ : मैंते तुरंत बात सुनी, पापा खुश हुए, और मैंते बाद में टीवी देखा।

I repent for my Asweekar Bhaav and will try to accept things more easily.





Without Sweekar Bhaav: When my teacher scolded me for not completing my homework, I got upset and blamed others.

बिजा स्वीकार भाव के : जब टीचर जे होमवर्क पूरा ज करने पर डांटा, तो मैंने दुखी होकर दूसरों को

दोष देता शुरू कर दिया।

With Sweekar Bhaav : I accepted my mistake and completed my work, my teacher

was proud of me.

स्वीकार भाव के साथ : मैंते अपनी गलती स्वीकार की और अपना काम पूरा किया, मेरी शिक्षिका

को मुझ पर गर्व हुआ।





Without Sweekar Bhaav: When my sibling took the last piece of cake, I shouted and

cried, creating a fight.

बिजा स्वीकार भाव के: जब मेरे भाई-बहुज जे आरिवरी केक ले लीया, तो मैंजे चिल्लाजा

और रोजा शुरू कर दिया।

With Sweekar Bhaav: I accepted it calmly, I enjoyed eating something else and

avoided the fight.

स्वीकार भाव के साथ: मैंते इसे शांतिपूर्वक स्वीकार किया, कुछ और खाते का आतंद लिया

और लड़ाई से बच गया।

I repent for my Asweekar Bhaav and will try to accept things more easily.





Without Sweekar Bhaav: When I lost a game, I got angry and stopped talking to my

friends.

बिजा स्वीकार भाव के: जब मैं खेल हार गया, तो गुस्सा होकर दोस्तों से बात करजा बंद कर

दिया।

With Sweekar Bhaav: laccepted the defeat sportingly and enjoyed the game.

स्वीकार भाव के साथ: मैंजे हार को खेलभावजा से स्वीकार किया और खेल का आजंद लिया।





Without Sweekar Bhaav: When mom asked me to clean my room, I refused and

complained, making her sad.

बिजा स्वीकार भाव के: जब माँ जे मुझसे कमरा साफ करने को कहा, तो मैंजे मजा कर दिया

और शिकायत करने लगा, जिससे माँ द्रवी हो गई।

With Sweekar Bhaav: I cleaned my room happily, mom was proud, and I had a neat

space.

स्वीकार भाव के साथ: मैंजे अपजा कमरा खुशी-खुशी साफ किया, माँ को गर्व हुआ, और

मुझे एक साफ-स्थरी जगह मिली।

I repent for my Asweekar Bhaav and will try to accept things more easily.





Without Sweekar Bhaav: When my parents said "NO" to buying a new toy, I got upset

and threw a tantrum.

बिजा स्वीकार भाव के: जब माता-पिता जे जसा रिवलौजा लेंजे से मजा कर दिया, तो मैं जिद

करते लगा और ताराज हो गया।

With Sweekar Bhaav: I understood their decision and made them happy.

स्वीकार भाव के साथ: मैंते उतके फैसले को समझा और उन्हें खुश किया।





Without Sweekar Bhaav:

When my friend won a prize, I felt jealous and didn't congratulate them.

बिता स्वीकार भाव के

जब मेरे दोस्त ते इताम जीता, तो मैं ईर्ष्या करते लगा और उसे बधाई तहीं दी।

With Sweekar Bhaav:

We celebrated the success, we both were happy and felt supported with each other. I also got a chance to do

better next time

स्वीकार भाव के साथ:

मैंते उतकी सफलता का जश्त मताया, हम खुश थे और मुझे अक्षली

बार बेहतर करते का मौका भी मिला।

I repent for my Asweekar Bhaav and will try to accept things more easily.





Without Sweekar Bhaav:

When it started raining and our picnic was canceled, I got upset and sad.

बिता स्वीकार भाव के:

जब बारिश होते लगी और हमारा पिकतिक कैंसिल हो गया, तो मैं उदास

होकर गुस्सा करते लगा।

With Sweekar Bhaav:

 $I\,had\,accepted\,the\,situation, I\,enjoyed\,playing\,indoors\,and$

had fun in a new way.

स्वीकार भाव के साथ:

मैंते स्थिति को स्वीकार किया, अंदर खेलता का आतंद लिया और तए

तरीके से मज़ा किया।





Without Sweekar Bhaav: When mom stopped me from playing, I got angry started

crying and made her sad.

बिजा स्वीकार भाव के: जब माँ जे खेलते से रोका, तो मैंते गुस्सा किया, रोजे लगा और माँ को

दुरवी कर दिया।

With Sweekar Bhaav: I calmly accepted my mothers words, I played later, and

mom was happy too.

स्वीकार भाव के साथ: मैंजे शांतिपूर्वक माँ की बात स्वीकार की, बाद में खेला, और माँ भी खुश

हुई।

How about writing one incident from your own experience as well? कैसा रहेगा अगर आप अपनी खुद की एक घटना भी लिखें?

Recalled Incident: Write about an incident you remember.	
My Reaction: Describe how you reacted in that situation.	
Reflection: Share your thoughts or feelings about the incident.	

5 Simple Steps to Strengthen Sweekar Bhaav स्वीकार भाव को मजबूत करते के ५ सरल कदम

Listen More, Argue Less
Pay attention and understand others.

ज्यादा सुतों, कम बहस करें दूसरों को ध्यात से समझें।





Stay Calm & Kind
Respond with patience, not frustration.

शांत और दयालु रहें गुस्से की जगह धैर्य से जवाब दें।

See Different Views

Understand situations from all sides (Anekantvaad). विभिन्न दृष्टिकोणों को समझें हर स्थिति को सभी

तजिरयों से देखें (अत्रेकांतवाद)।





Find Solutions
Focus on fixing problems,
not just complaining.
समाधान पर ध्यान दें
सिर्फ शिकायत करने के बजाय हल स्वोजें।

Be Grateful

Appreciate what you have & stay positive!

आभार टयक्त कर

जो भी है, उसकी कदर करें और सकारात्मक रहें!









Aayambil Oli

Aayambil Tapp means bowing down to 9 Padd...

9 days Aayambil oli is from...

04/4/2025 to 12/4/2025

Aayambil Oli is a very auspicious festival of the Jains. It signifies the importance of the Navpad. They hold immense importance and significance for a soul who wishes to be free from this endless cycle of birth and death.

The Navpad are...

Dev Tatva	Arihant Parmatma
	Siddha Parmatma
Guru Tatva	Acharyaji, Upadhyaji, Sadhu-Sadhviji,
Dharma Tatva	Samyak Darshan (Right Vision),
	Samyak Gnan (Right Knowledge),
	Samyak Charitra (Right Conduct)
	Samyak Tapp (Right Penance)

Arham: Vandan, kids, do you know that Aayambil Oli is coming soon? Will you be observing Aayambil?

Vandan: No, Arham! I can't do it because it's too difficult!

Arham: But Vandan, do you know the benefits of Aayambil?

Vandan: No, what are they?

अर्हम : वंदत, बच्चों क्या तुम्हें पता है कि आयंबिल ओली आते वाली है? क्या तुम आयंबिल करोगे?

वंदन : नहीं अर्हम! मैं नहीं कर सकता, यह तो बहुत मुश्किल है! अर्हम : लेकिन वंदन, क्या तुम जानते हो आयंबिल के फायदे?

Benefits of Doing Aayambil



Aayambil purifies body & mind, leading to a healthier life!

Arham: Aayambil Oli is so special! We should all observe it since it comes twice a year. Once you start fasting, it will begin to feel easier.

Vandan: Idon't think I can do it.

Arham: Vandan, this is where you need to develop Sweekar Bhaav

- -Sweekar Bhaav to give up taste for just 9 days and try to do Tapp.
- $Sweek ar\,Bhaav\,to\,let\,go\,of your\,favor ite\,foods\,for\,a\,short\,time\,and\,try\,to\,do\,Tapp.\,\,.$
- -Sweekar Bhaav to accept Tapp like Parmatma and purify our soul!

 When we embrace Sweekar Bhaav, even the hardest things become easy!

Vandan: Arham, you're right! I will definitely try to observe Ayambil Tapp from now on.

अर्हम : आयंबिल ओली कितनी विशेष है! हमें इसे अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह वर्ष में दो बार आती है। जब आप इसका व्रत रखना शुरू करेंगे, तो यह धीरे-धीरे सरल लगने लगेगा।

वंदत : मैं इसे तहीं कर सकता।

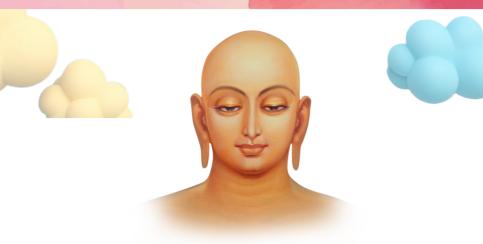
अर्हम : वंदत, यही वह समय है जब तुम्हें स्वीकार भाव अपनाना होगा

- स्वीकार भाव- कि ९ दितों के लिए स्वाद का त्याग करें।
- -स्वीकार भाव- कि कुछ दिजों के लिए अपने पसंदीदा खाने को छोड़ें।
- -स्वीकार भाव- कि परमात्मा की तरह तप स्वीकार करें और अपने कर्म की निर्जरा करें।

जब हम स्वीकार भाव को अपनाते हैं, तो सबसे कठिन चीजें भी आसान लगने लगती हैं!

वंदत : अर्हम, तुम सही कह रहे हो! मैं अब से आयंबिल तप करते का प्रयास करूंगा।





Oh Prabhu, not all goes right,

But I trust Your way, so pure and bright. With peace and joy, my heart will sing, In Your grace, I find everything!

Oh Prabhu, not all feels fair,
But Sweekar brings me love and care.
With open arms, I welcome today,
Your gentle light will guide my way!

If I resist, things stay the same,
If I complain, there's no real gain.
But when I accept (Sweekar - so true),
That's when, Oh dear Prabhu, I find You!

In ups and downs, in loss or cheer,

Sweekar keeps You ever near.

I welcome all with a happy heart,

With Sweekar Diksha, I'll never fall apart!